राष्ट्रीय संस्करण

सफलता का राज बताने पर मुझे कोई नहीं खरीदेगा : धौनी >>12

दैनिक जागरण

वर्ष 2 अंक 317

मूल्य ₹5.00, नई दिल्ली, गुरुवार, 25 अप्रैल 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

महासमर 2019

- टिकट कटने से खफा उदित राज भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल • पेज 5
- सर्जिकल स्ट्राइक के बाद राहुल का चेहरा लटक गया था : शाह • पेज 5
- राहुल ने किया वादा, तीन साल नहीं लेनी होगी उद्योग की एनओसी • पेज 6
- मेरी विदेश यात्राओं से बढ़ा है दुनिया में भारत का प्रभाव : मोदी • पेज 7

विश्वास.News

बीबीसी के हवाले से वायरल हो रहा सर्वे फर्जी ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल • पेज 6

हर साल कुर्ते और मिठाई भेजती हैं ममता : मोदी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

चुनावी घमासान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गैर-राजनीतिक साक्षात्कार ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। सुपरस्टार अक्षय कुमार ने प्रधानमंत्री का साक्षात्कार किया है। इसमें मोदी ने बताया कि चुनावी मैदान में भले ही भाजपा और तृणमूल कांग्रेस घोर विरोधी हैं, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन्हें मिठाई भी भेजती हैं और कुर्ते भी भेंट करती हैं।

एक दिन पहले ही अक्षय कुमार ने ट्वीट कर कहा था कि वह एक ऐसे क्षेत्र में दिखेंगे जिसका उन्हें अनुभव नहीं है। अटकलें थीं कि वह राजनीति में आ रहे हैं, लेकिन बुधवार को वह एक पत्रकार की भूमिका में सामने आए। अक्षय ने जब मोदी से पूछा कि क्या विपक्ष में उनके दोस्त हैं? तो उन्होंने राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद के साथ औपचारिक मुलाकात का हवाला दिया और उसी परिप्रेक्ष्य में ममता बनर्जी का उल्लेख किया। मोदी ने बताया कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना उन्हें साल में दो-तीन बार खास मिठाई भेजती हैं, जबकि ममता बनर्जी मिठाई और कुर्ते भेजती हैं। साथ ही कहा, यह बात उजागर होने से उन्हें राजनीतिक नुकसान हो सकता है। मालूम हो कि पश्चिम बंगाल में चुनावी जंग तीखी है। जहां ममता की ओर से भाजपा और प्रधानमंत्री पर हमला हो रहा है वहीं प्रधानमंत्री हाल में ममता को स्पीडब्रेकर दीदी कह चुके हैं। उनके राज में भ्रष्टाचार की याद भी दिला चुके हैं। बुधवार को भी प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल में दो सभाओं को संबोधित किया।

नई दिल्ली में इंटरव्यू के दौरान अभिनेता अक्षय कुमार के सवालों का जवाब देते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

अगली पीढ़ी को न सुनाएं अलादीन की कहानी

अपनी जिंदगी के कई पहलुओं के बारे में खुलकर दिल की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया कि उन्हें बिना मेहनत किए कुछ भी पा लेने में जरा भी भरोसा नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि अलादीन का चिराग मिलने पर वह कौन सी तीन इच्छाएं पूरी कराना पसंद करेंगे? इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वह अलादीन की इस कहानी को खत्म करने की गुजारिश करेंगे। साथ ही सभी समाजशास्त्रियों और शिक्षाविदों के दिमाग में यह भरना चाहेंगे कि आगे आने वाली पीढ़ी को यह कहानी न सुनाएं, ताकि वे मेहनत करना सीख सकें।

समाजवादी करते हैं झूठा दिखावा : साक्षात्कार में राजनीतिक मुद्दों को छूने से भरसक परहेज किया गया, लेकिन एक सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री ने समाजवादियों के झूठे दिखावे पर तीखा तंज कसा। उन्होंने बताया कि कैसे पुणे में एक बार रेलवे स्टेशन से पैदल आरएसएस दफ्तर जाते समय एक ऑटो वाला धीरे-धीरे उनके साथ चल रहा था। पूछने पर बताया कि समाजवादी नेता सीधे रेलवे स्टेशन से ऑटो पर नहीं बैठते, बल्कि पैदल जाने का दिखावा करते हैं और कुछ दूर जाने के बाद चुपके से ऑटो में बैठ जाते हैं। ऑटो वाला उन्हें समाजवादी नेता समझकर उनके बैठने के इंतजार में धीरे-धीरे ऑटो चला रहा था। हालांकि मोदी ने इस दौरान सीधे तौर पर समाजवाद से जुड़े किसी दल का नाम नहीं लिया, लेकिन इसे उत्तर प्रदेश में बसपा के साथ हाथ मिलाने वाली सपा से जोड़कर देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में मुख्य मुकाबला भाजपा और सपा-बसपा गठबंधन के बीच माना जा रहा है।

गुस्से पर काबू करने का बताया राज : प्रधानमंत्री ने अपनी सख्त प्रशासक की छवि, गुस्से को काबू करने के राज, तनाव प्रबंधन के साथ-साथ पसंद-नापसंद की कई चीजों के बारे में भी विस्तार से बताया।

'ट्विंकल के मुझ पर गुस्सा निकालने से आपके जीवन में रहती होगी शांति' पेज>>7

पीएम ने यह भी कहा

- मैं बहुत कम उम्र में घर से निकल गया था। यदि प्रधानमंत्री बनकर निकलता तो शायद मां और भाई को साथ रखने का मन करता। ...मैं जब मां से मिलता हूं तो सवा रुपये मेरे हाथ पर रख देती हैं। फिर कहती हैं कि मेरे पीछे समय क्यों बर्बाद करते हो, मैं यहां क्या करूं, गांव में लोग आते हैं, बातें करते हैं। मैं भी समय नहीं दे पाता।
- प्रधानमंत्री बनूंगा, ऐसा कभी नहीं सोचा। मेरे परिवार की जिस तरह की स्थिति रही है, उसमें तो मुझे एक छोटी नौकरी भी मिल जाती तो मेरी मां खुश हो जाती। किसी का परिवार ऐसा होता है और वह ऐसा सोचता है तो वह अलग बात है।
- साढ़े तीन घंटे में मेरी नींद पूरी हो जाती है। मित्र, डॉक्टर और बराक ओबामा भी इसमें उलझ गए थे। वे कहते थे ऐसा क्यों करते हो, लेकिन मेरा शरीर चक्र ही ऐसा हो गया है। आंख खुलते ही बिस्तर छोड़ देता हूं। ...रिटायर होने के बाद नींद बढ़ाने के बारे में सोचूंगा।

न्यूज गैलरी

राज–नीति ▶ पृष्ठ 3

अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह को प्रतिबंधों से मुक्त रखा

वाशिंगटन : ईरान में भारत द्वारा विकसित चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी पाबंदी का कोई असर नहीं होगा। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने छूट दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के ईरान पर ताजा पाबंदी के चलते भारत समेत आठ देश मई से ईरान से तेल नहीं खरीद सकेंगे। ईरान के परमाणु हथियार विकसित करने की कोशिश और दुनिया में अशांति पैदा करने के प्रयास के चलते ट्रंप ने उस पर प्रतिबंध की घोषणा की है।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 10

कश्मीर में तबाह हो चुका है जैश–ए–मुहम्मद का नेटवर्क

श्रीनगर : सेना की 15वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों ने बुधवार को वादी में 2019 में अब तक 69 आतंकियों के मारे जाने का दावा करते हुए कहा कि जैश-ए-मुहम्मद का नेटवर्क लगभग तबाह हो चुका है। जैश की कमान संभालने के लिए कोई सामने नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि हम आतंकवाद को कश्मीर घाटी में फिर से सिर नहीं उठाने देंगे।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 11

रिटर्न नहीं भरा तो 21 जून से ई–वे बिल जनरेट नहीं होगा

नई दिल्ली : जीएसटी चोरी पर लगाम कसने को वित्त मंत्रालय ने ई-वे बिल तंत्र में कई सुधारों को मंजूरी दी है। सबसे अहम बदलाव यह है कि जीएसटी रिटर्न नहीं भरने वालों के लिए अब ई-वे बिल जनरेट करना संभव नहीं होगा। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जिन कारोबारियों ने लगातार दो महीनों तक वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का रिटर्न नहीं भरा, वे 21 जून से ई-वे बिल जनरेट नहीं कर पाएंगे।

आजकल ▶ पृष्ठ 14

मलेरिया का पहला टीका अफ्रीका में हुआ लांच

जेनेवा : 30 साल की अथक मेहनत के बाद तैयार किए गए मलेरिया के टीके का प्रयोग शुरू हो गया है। पायलट प्रोग्राम के तहत अफ्रीका के मालावी में टीका लांच किया गया है। जल्द ही इसे कुछ अन्य देशों में प्रयोग में लाया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस प्रोग्राम के लिए मालावी सरकार की प्रशंसा की है। मलेरिया से सालाना चार लाख से ज्यादा लोगों की मौत होती है।

रन बरसो

कोलकाता नाइटराइडर्स vs राजस्थान रॉयल्स

रात 8:00 बजे से

स्थान : कोलकाता

स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

फिक्सिंग रैकेट के आरोप से सर्वोच्च न्यायालय सन्न

कहा ▶ न्यायपालिका की स्वतंत्रता बचाने को मामले की तह तक जाएंगे

अधिवक्ता उत्सव बेंस का आरोप, प्रधान न्यायाधीश को फंसाने में फिक्सर कॉरपोरेट लॉबी का हाथ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) रंजन गोगोई पर लगे अमर्यादित आचरण के आरोपों के पीछे बड़ी साजिश और फिक्सर कॉरपोरेट लॉबी होने के आरोप लगाए गए हैं। इस पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए साफ किया कि न्यायपालिका में फिक्सरों (बिचौलियों) की कोई भूमिका नहीं है। अगर कोर्ट में कोई फिक्सिंग रैकेट चल रहा है तो उसकी जड़ तक जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि मामले की जांच होगी। मामला गंभीर है, न्यायपालिका की स्वतंत्रता खतरे में है।

वकील उत्सव बेंस ने हलफनामा दाखिल कर आरोप लगाया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) पर अमर्यादित आचरण के आरोप लगाने के पीछे कॉरपोरेट फिक्सर लॉबी और सुप्रीम कोर्ट की नौकरी से निकाले गए तीन पूर्व कर्मचारी विशेष रूप से तपन कुमार चक्रवर्ती, मानव शर्मा और एक अन्य शामिल हैं। बेंस बुधवार को कोर्ट में पेश हुए और सीलबंद लिफाफे में एक और हलफनामा सौंपा जिसमें साजिश से जुड़ी कुछ और जानकारी दी गई। बेंस ने यह भी कहा कि उनके पास फिक्सर कॉरपोरेट लॉबी के सीसीटीवी फुटेज हैं जिसे कोर्ट मामले की न्यायिक जांच के दौरान देख सकता है। उन्होंने अनुरोध किया कि मामले की न्यायिक जांच कराई जाए, क्योंकि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) पर राजनीतिक हथियार बनने के आरोप लगते रहते हैं और पुलिस भी राज्य सरकार के अधीन होती है। कोर्ट ने उन्हें याद दिलाया कि झूठे हलफनामे का परिणाम वह जानते होंगे।

मामले का सीजेआइ पर आरोपों की जांच से लेना-देना नहीं : मामले की सुनवाई कर रही जस्टिस अरुण मिश्रा, रोहिंग्टन फली नरीमन और दीपक गुप्ता की तीन सदस्यीय पीठ ने साफ किया कि कॉरपोरेट फिक्सिंग के इन आरोपों की सुनवाई, जांच और कोर्ट के आदेश का प्रधान न्यायाधीश पर लगे अमर्यादित आचरण के आरोपों की जांच कर रही कमेटी की कार्यवाही पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस मामले का उससे कोई लेना-देना नहीं है।

तो न संस्था बचेगी, न हम सब : कोर्ट ने उत्सव बेंस के आरोपों को गंभीर बताया और कहा कि अगर आरोपों के मुताबिक फिक्सिंग जारी रही और न्यायपालिका के काम में दखल देती रही तो न यह संस्था बचेगी और न ही हम सब। इस गंभीर मामले को ऐसे ही नहीं छोड़ा जा सकता। कोर्ट की जिम्मेदारी है कि वह इस संस्था को स्वच्छ रखे और सुनिश्चित करे कि कोई इस तरह के आरोप लगाकर संस्था की छवि खराब न करे। मामले की जांच होगी, लेकिन जांच का आदेश देने और उसका तौर तरीका तय करने से पहले कोर्ट बेंस द्वारा दी गई सूचना के बारे में गोपनीयता बनाए रखने की मांग पर सुनवाई करेगा। इस मुद्दे पर गुरुवार को कोर्ट अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वकील उत्सव बेंस की दलीलें सुनेगा। कोर्ट ने बेंस को गुरुवार सुबह तक अतिरिक्त हलफनामा दाखिल कर कुछ और सामग्री पेश करने की छूट दी है।

पेश सुबूत गंभीर, रखे जाएंगे गोपनीय : सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि वकील के आरोप और पेश सामग्री बहुत संवेदनशील है। फिलहाल वे इसे उजागर नहीं करना चाहते। यहां तक कि कोर्ट ने बेंस से कहा, अगर वह हलफनामा दाखिल कर कोई और जानकारी देना चाहते हैं तो वह उसे टाइपिस्ट से टाइप न कराएं क्योंकि वहां से भी सूचना लीक हो सकती है। कोर्ट ने बेंस से कहा कि वह हाथ से लिखकर हलफनामा दें या फिर स्वयं टाइप करें।

सीबीआइ, आइबी और दिल्ली पुलिस के मुखिया तलब : कोर्ट ने प्रारंभिक सुनवाई और बेंस द्वारा पेश सामग्री और सुबूतों को देखने के बाद दोपहर में सीबीआइ निदेशक, आइबी निदेशक और दिल्ली पुलिस आयुक्त से चैंबर में चर्चा की। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे आरोपों के समर्थन में पेश की गई सामग्री और साक्ष्यों को जब्त कर लें।

बेंस को अटॉर्नी जनरल के खिलाफ बोलने से रोका : सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने हलफनामा दाखिल करने से पहले बेंस द्वारा इसी बारे में लिखे गए फेसबुक पोस्ट का मुद्दा उठाया। इसका बेंस ने विरोध किया। इस पर पीठ ने अटॉर्नी जनरल के खिलाफ बोलने से बेंस को रोक दिया।

शिकायत करने वाली महिला ने समिति के संयोजन पर उठाई आपत्ति पेज>>10

प्रधान न्यायाधीश साफ करना चाहते हैं सिस्टम

पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि अगर आरोप सही हैं तो यह बड़ी परेशान करने वाली बात है। सीजेआइ ने सिस्टम को साफ करने की कोशिश की है। उन्होंने लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। किसी ने ऐसा करने का साहस नहीं किया था।

शीर्ष अदालत इस मामले में एसआइटी जांच का आदेश दे

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई के दौरान कहा कि अटॉर्नी जनरल की ओर से उठाई गई आपत्तियों के पहलुओं को छोड़कर बाकी मामला उन्हें भी गंभीर लगता है। सुप्रीम कोर्ट को अपनी निगरानी में मामले की एसआइटी जांच के आदेश देने चाहिए।

अपूर्वा ने गला घोंटकर की थी रोहित की हत्या

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- वैवाहिक जीवन में कलह और संपत्ति नहीं मिलने के कारण अवसाद में थी अपूर्वा
- भाभी के साथ एक ही गिलास में शराब पीने की बात पर रोहित से हुआ था झगड़ा
- पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, मिली दो दिन की रिमांड

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत नारायण दत्त तिवारी के बेटे रोहित शेखर तिवारी (40) की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने पांच दिन की पूछताछ के बाद रोहित की पत्नी अपूर्वा (35) को गिरफ्तार कर लिया। अपूर्वा को बुधवार को साकेत कोर्ट में पेश कर दो दिन की रिमांड पर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, वैवाहिक जीवन में कलह और संपत्ति नहीं मिलने से अपूर्वा अवसाद में थी।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर (क्राइम ब्रांच) राजीव रंजन ने पत्रकार वार्ता कर हत्याकांड का पर्दाफाश किया। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, 15 अप्रैल को रोहित परिवार के सदस्यों के साथ उत्तराखंड से वोट डालकर लौट रहे थे। उसी समय अपूर्वा ने वाट्सएप पर उन्हें वीडियो कॉल की थी। इसमें वह भाभी कुमकुम के साथ एक ही गिलास में शराब पीते दिख गए थे। रात 10:30 बजे रोहित घर लौटे तो कार में कुमकुम भी बैठी थीं। कार रोहित का ड्राइवर अखिलेश चला रहा था। पीछे की सीट पर एक तरफ रोहित बीच में निगम (एनडी तिवारी के पीए रह चुके हैं) और दूसरी तरफ कुमकुम बैठी थी। घर आने के बाद रोहित ने अकेले, जबकि अन्य सभी ने साथ खाना खाया। इसके बाद उज्ज्वला रात करीब 12 बजे राजीव व कुमकुम के साथ तिलक लेन स्थित घर चली गईं, जबकि रोहित ऊपर कमरे में सोने चले गए। यहां अपूर्वा और रोहित में बहस शुरू हो गई। इसमें कुमकुम के साथ शराब पीने की बात पर अपूर्वा भड़क गईं और गुस्से में अपने कमरे जाकर में टीवी देखने लगी। रात करीब एक बजे जब घर के अन्य सदस्य सो गए तो वह दोबारा रोहित के कमरे में गई। यहां फिर उनमें बहस हुई, लेकिन अत्यधिक नशे के कारण रोहित बिस्तर पर ही पड़े रहे। गुस्से में आकर अपूर्वा ने रोहित का गला दबा दिया। इसके बाद नाक और मुंह भी दबाया। बीमारियों से शरीर कमजोर होने और नशे में होने की वजह से रोहित विरोध नहीं कर पाए। उनके मुंह और नाक से खून निकलने की यही वजह मानी जा रही है। रोहित की मौत हो जाने से अपूर्वा घबरा गई और एक घंटे तक कमरे में ही बैठी रही। करीब ढाई बजे वह अपने कमरे में जाकर सो गई। अगले दिन सुबह 11 बजे उज्ज्वला ने फोन कर पूछा-रोहित जगा या नहीं। इस पर अपूर्वा ने कहा, देर से सोए थे अभी नहीं जगे हैं।

अकूत संपत्ति के लिए की थी शादी पेज>>2

प्रज्ञा को जेड श्रेणी के समकक्ष सुरक्षा, बुलेटप्रूफ वाहन में चलेंगी

नईदुनिया, भोपाल

भाजपा प्रत्याशी साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को बुधवार को जेड श्रेणी के समकक्ष सुरक्षा प्रदान कर दी गई। बताया जा रहा है कि सेंट्रल इंटेलीजेंस से मिले इनपुट के बाद भोपाल पुलिस अधीक्षक (साउथ) ने उनकी सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश जारी किए हैं। प्रज्ञा के आसपास पुलिस का भारी बंदोबस्त रहेगा। उनके लिए एक बुलेटप्रूफ वाहन की भी व्यवस्था की जा रही है। पुलिस ने कमला नगर थानाक्षेत्र के रिवियेरा टाउन स्थित उनके घर के पास एक अस्थायी चौकी भी बना दी है।।

एएसपी अखिल पटेल के अनुसार, साध्वी प्रज्ञा के नामांकन के दौरान एक व्यक्ति ने उनके पास पहुंचने की कोशिश की थी। आरोपित के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। इसके बाद उनकी सुरक्षा की समीक्षा की गई और उन्हें जेड श्रेणी के समकक्ष कवर प्रदान कर दिया गया। इसके तहत, 12-12 घंटे दो सब इंस्पेक्टर स्तर के अफसर और दो दर्जन पुलिसकर्मी उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे।

देश में रहते हैं तो वंदेमातरम कहना होगा : भोपाल से भाजपा प्रत्याशी साध्वी प्रज्ञा बुधवार को कहा, इस देश में रहने वाले सभी लोगों को वंदेमातरम कहना होगा। जो इस देश की हर सुविधा का उपयोग करते हो, देश में जन्म लेकर उसके ही नहीं हुए तो विश्व में किसी के नहीं हो सकते, न ही ईश्वर के हो सकते हो।' यह पूछे जाने पर कि ऐसे बयानों पर आपत्तियां आती हैं तो उन्होंने कहा, हम जिस देश में रहते हैं, उसकी वंदना नहीं करना चाहिए क्या? वंदेमातरम की अनिवार्यता पर कहा, सिर्फ भारत को ही मां कहा जाता है, किसी और देश को नहीं। मैं जनता से पूछती हूं कि क्या मैं गलत हूं? एनआइए कोर्ट द्वारा चुनाव लड़ने पर रोक की अर्जी खारिज किए जाने पर कहा, यह तय था, सत्य और धर्म की विजय हुई है। कांग्रेसी साजिश के जवाब में यही फैसला होना था।

साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के चुनाव लड़ने पर रोक की मांग वाली याचिका खारिज पेज>>7

मद्रास हाई कोर्ट ने टिकटॉक मोबाइल एप से प्रतिबंध हटाया

चेन्नई : मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने वीडियो मोबाइल एप्लीकेशन टिकटॉक पर से पाबंदी हटा दी है। यह लोकप्रिय एप चीनी कंपनी बाइटडांस का है। अधिवक्ता मुतुकुमार की याचिका पर सुनवाई के बाद पीठ ने प्रतिबंध लगाने के अपने अंतरिम आदेश को रद कर दिया है। पीठ ने इसके लिए एप पर पोर्नोग्राफिक वीडियो अपलोड नहीं करने की शर्त लगाई है। विफल होने पर अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी। (पेज-3)

श्रीलंका के नौ आत्मघाती हमलावरों में एक महिला भी

कोलंबो : श्रीलंका में हुए आतंकी हमलों की परत धीरे-धीरे खुल रही है। जांच से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक, नौ आत्मघाती हमलावरों ने धमाकों को अंजाम दिया था। इनमें एक महिला भी थी। तीन चर्चों और तीन होटलों में हुए हमलों में अब तक 359 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में 10 भारतीय समेत 34 विदेशी हैं। पुलिस ने अब तक इस मामले में 60 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। श्रीलंका के रक्षा राज्यमंत्री रुवान विजयवर्द्धने ने बताया कि हमलों को स्थानीय मुस्लिम आतंकी संगठन नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) से अलग हुए एक समूह ने अंजाम दिया है। (पेज-13)

अच्छी खबर

पेरिस समझौते के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र को हाल में भेजी गई रिपोर्ट में यह बात आई सामने, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने रिपोर्ट को जागरण के साथ किया साझा

देश में ग्रीन हाउस गैसों का प्रभाव 25 % घटा

सुमन सेमवाल, देहरादून

जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों से जूझते विश्व को भारत ने अच्छी खबर दी है। देश में ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव में 25 फीसद तक कमी आ गई है। यही नहीं, ऊर्जा के अन्य विकल्पों की तरफ भी अच्छी प्रगति हुई है। वनों के कार्बन सोखने की क्षमता भी अपेक्षा के अनुरूप बढ़ाने का प्रबंध कर लिया गया है। इसकी रिपोर्ट हाल में ही पेरिस समझौते के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को भी भेज दी गई है। यह जानकारी पेरिस समझौते को लेकर देश में बनाई गई समिति के सदस्य भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) के सलाहकार व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वीएस रावत ने दी है।

डॉ. वीएस रावत ने बताया कि 2015 में किए गए पेरिस समझौते में यह आशंका थी कि जिस दर से ग्रीन हाउस गैसों का प्रभाव बढ़ रहा है, उससे सदी के अंत तक तापमान में 3.5 से 4 डिग्री का इजाफा हो जाएगा। इसके बाद इस तापमान वृद्धि को दो डिग्री तक सीमित रखने का निर्णय लेते हुए सभी देशों ने 2030 तक का लक्ष्य रखा। भारत को ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव को 33 से 35 फीसद तक कम करना है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार यह प्रभाव 25 फीसद तक कम हो गया है। इसमें मुख्य भूमिका क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट ने निभाई, जिसमें ऊर्जा उत्पादन के लिए कोयले को विशेष विधि से साफ कर प्रयोग में लाया जाने लगा है। दूसरी तरफ, भारत ने खुद के लिए जो लक्ष्य तय किए उसमें जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाते हुए सोलर, पनबिजली, परमाणु ऊजा के विकल्प को अपनाना है और इसमें 40 फीसद लक्ष्य के सापेक्ष 35 फीसद तक प्राप्त कर लिया गया है।

भारत के पास सबसे चुनौतीपूर्ण लक्ष्य वनों की कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ाना भी है। इसके जरिये 2030 तक कार्बन डाईऑक्साइड सोखने की क्षमता को 2.5 से 3 बिलियन टन तक बढ़ाना है। यानी सालाना 200 से 250 मिलियन टन क्षमता में इजाफा किया जाना है, जबकि मौजूदा क्षमता 70-80 मिलियन टन है। इसके लिए नमामि गंगे के तहत गंगा नदी के दोनों तरफ 80 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में पौधरोपण की प्रक्रिया को गति दी जा रही है। वहीं, नेशनल ग्रीन हाईवे मिशन के तहत 1.40 लाख किलोमीटर लंबी हरित पट्टिका विकसित करने का निर्णय लिया गया। वन क्षेत्रों के भीतर-बाहर भी वनीकरण बढ़ाने की योजनाओं पर काम चल रहा है।

ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव में इसलिए कमी जरूरी : ग्रीन हाउस गैसों का होना जीवन के लिए जितना जरूरी है, उतना ही इसके निरंतर बढ़ते उत्सर्जन नुकसानदायक भी है। कार्बन डाईऑक्साइड, मीथेन, जलवाष्प आदि ग्रीन हाउस गैसें ही हैं, जो तापमान को अपेक्षाकृत बढ़ाने का काम करती हैं। यदि यह गैसें नहीं होतीं तो धरती का औसत तापमान 15 डिग्री की जगह माइनस 18 डिग्री सेल्सियस होता। वैज्ञानिकों का मत है कि विकास के नाम पर पेड़ों के अंधाधुंध कटान, बढ़ते प्रदूषण और औद्योगिकीकरण के चलते ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में निरंतर इजाफा हो रहा है। इसी कारण इन गैसों को सोखने और उत्सर्जन को नियंत्रित करने के उपायों पर काम करना बेहद जरूरी हो गया है।

हरियाणा में एचसीएस अफसरों के आइएएस बनने का रास्ता साफ

नई दिल्ली : हरियाणा में एचसीएस (हरियाणा सिविल सर्विस) एक्जीक्यूटिव ब्रांच के 44 अफसरों के आइएएस अधिकारी बनने का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अफसरों की वरिष्ठता तय करने के मामले में हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस अशोक भूषण और केएम जोसेफ की पीठ ने गत सोमवार को हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने से इन्कार करते हुए विशेष अनुमति याचिका खारिज कर दी। (पेज-3)

सीमा पार व्यापार में शामिल 10 आतंकियों के नाम आए सामने

नई दिल्ली : कश्मीर में सीमा पार से व्यापार के नाम पर कैसे आतंकी कारोबार हो रहा था इससे जुड़े चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। फिलहाल 10 ऐसे आतंकियों के नाम सामने आए हैं, जो घाटी से सीमापार कर पाक चले गए थे और वहां कंपनी बनाकर व्यापार करने लगे। उनका उद्देश्य व्यापार नहीं, बल्कि उसकी आड़ में आतंकियों और अलगाववादियों तक फंड पहुंचाना था। (पेज-10)

कैप्टन की मंत्रियों को चेतावनी, क्षेत्र में कांग्रेस ‌ ‌ री तो छीन लेंगे कुर्सी

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

पार्टी में खींचतान की शिकायतों के बाद मुख्यमंत्री ने दिखाई सख्ती

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों को चेतावनी दी है कि अगर लोकसभा चुनाव में उनके क्षेत्र में पार्टी हारी तो उनकी कुर्सी छीन ली जाएगी। साथ ही 2022 के विधानसभा चुनाव में टिकट भी नहीं मिलेगा। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि बोर्ड-कारपोरेशन में चेयरमैन बनने के लिए भी लोकसभा चुनाव का प्रदर्शन पैमाना होगा। यानी जो चेयरमैन बनना चाहते हैं वे अपने क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में काम करें। दरअसल, मुख्यमंत्री के पास पार्टी में गुटबाजी और खींचतान की शिकायतें लगातार पहुंच रही हैं। इसी के चलते उन्होंने यह सख्त संदेश दिया है।

कैप्टन ने बुधवार को मंत्रियों और विधायकों को यह चेतावनी तब दी जब वे संगरूर में अपने करीबी केवल ढिल्लों के नामांकन में पहुंचे थे। संगरूर जिले से विजय इंदर सिंगला अकेले कैबिनेट मंत्री हैं। अमरगढ़ के कांग्रेस विधायक सुरजीत धीमान के बेटे संगरूर सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। फिरोजपुर में शेर सिंह घुबाया को टिकट मिलने से कैबिनेट मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी खफा हैं। गुरदासपुर से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन वहां पूर्व विधायक अश्विनी सेखड़ी उनके साथ नहीं चल रहे हैं। फतेहगढ़ साहिब में राज्यसभा सदस्य शमशेर सिंह दूलो की पत्नी हरबंस कौर दूलो आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ रही हैं।

ज्ञात हो, 2017 में कैप्टन ने कहा था कि कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में चुनाव मैदान से हटने वाले नेताओं को बोर्ड-कारपोरेशन में तरजीह दी जाएगी। अब कैप्टन के इस बयान को मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है, ताकि पूरी पार्टी एकजुट होकर चुनाव लड़े।